विवि के विद्यार्थियों ने एक्सपोजर विजिट में जाना रेशम पालन के नवाचार के बारे में

जगदलपुर . एक्सपोजर विजिट के दौरान मौजूद विवि के विद्यार्थी और शिक्षकगण।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जगदलपुर . शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) के क्वार्टर टू एक्टिविटी के तहत शुक्रवार को रूरल टेक्नालॉजी एवं प्राणी शास्त्र अध्ययनशाला द्वारा एक्सपोजर विजिट का आयोजन किया गया। इसमें बॉटनी, जूलॉजी, रूरल टेक्नालॉजी, माईक्रो बॉयोलॉजी, सोशल वर्क, एमबीए एवं अन्य शालाओं के करीब 60 विद्यार्थियों व फैकल्टी ने रीजनल सेरिकल्चर रिसर्च स्टेशन, सेंट्रल सिल्क बोर्ड, जलगदलपुर का विजिट किया। इस दौरान सीनियर टेक्नीशियन डॉ. सुनील परीक्षा ने रेशम पालन से संबंधित मिट्टी का परीक्षण, उचित प्लांटेशन एवं देख-रेख, सिल्क कीट के विभिन्न अवस्था, बस्तर में पाए जाने वाली कोकुन, स्टीमिंग, रीलिंग एवं मार्केटिंग इत्यादि की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने वहां के म्यूजियम और प्रैक्टिकल इक्यूपमेंट का भी अवलोकन किया। विजिट में डॉ. तुलिका शर्मा, डॉ. रश्मि देवांगन, डॉ. सुषमा सिंह, डॉ. सोहनलाल, डॉ. राजकुमार, डॉ. दुर्गेश डिक्सेना, यामिनी, कीर्ति मेहरा सहित अन्य उपस्थित रहे।

तिखुर और काजू प्रसंस्करण आधारित पोस्टर को प्रथम स्थान

जगदलपुर, 22 फरवरी (देशबन्धु)। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में शनिवार को पोस्टर प्रजेंटेशन एंड साइंस मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। नवाचार के लिए आईडिया अभिव्यक्त करने के इस आयोजन में विभिन्न स्कूल और कॉलेज के 38 स्टूडेंट्स ने भाग लिया। जिसमें स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यमिक विद्यालय, तितिरगांव की छात्रा प्रतिमा दीवान द्वारा तैयार तिखुर प्रसंस्करण पर आधारित पोस्टर एवं जिज्ञासा ठाकुर द्वारा काजू प्रसंस्करण पर आधारित पोस्टर को संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। मोनिका भारती व पलक को द्वितीय तथा सुरभि चौधरी व ऋत्विक नाग तृतीय स्थान पर रहे। इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउन्सिल (आई.आई.सी.) के चार्टर टू एक्टिविटि के तहत यह आयोजन

विवि के जैव-प्रौद्योगिकी एवं पुस्तकालय विज्ञान अध्ययनशाला द्वारा किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक प्रो. शरद नेमा ने कहा कि वर्तमान समय में सरकारी नौकरी में अवसर की तुलना में डिग्रीधारी युवाओं की संख्या ज्यादा है। जिसके कारण शिक्षित होने के बाद भी राज्य एवं देश में पर्याप्त रोजगार नहीं मिल रहे हैं। युवाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए नवाचार एवं उद्यमिता की ओर प्रेरित होकर स्वरोजगार शुरू करने एवं अन्य युवाओं को भी रोजगार के अवसर प्रदान करने के प्रयास करना चाहिए। प्रो. नेमा ने प्राचीन भारतीय विज्ञान परंपरा को नवाचार से जोड़ने के लिए उपस्थित सभी प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. नीरज वर्मा, डॉ. डिलेन्द्र चन्द्राकर, सत्यवान साहू, प्रीति मरावी एवं इन्दु बेक का आयोजन में सक्रिय योगदान रहा। कार्यक्रम में डॉ. विनोद कुमार सोनी, डॉ. तुलिका शर्मा एवं डॉ रश्मि देवांगन उपस्थित थे।

उद्यम में सफलता के लिए वित्तीय साक्षरता जरूरी : राठी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में वाणिज्य अध्ययनशाला द्वारा सोमवार को फाइनेशियल लिटरेसी फॉर एंटरप्रेन्योर्स विषय पर

- फाइनेशियल लिटरेसी फॉर एंटरप्रेन्योर्स विषय पर आईआईसी का मेंटरशिप कार्यक्रम

आईआईसी का मेंटरशिप कार्यक्रम आयोजन किया गया। आनलाईन और ऑफलाईन(ब्लेंडेड) हुए इस आयोजन में रिसोर्स पर्सन के रूप में फाईनेंशियल एक्सपर्ट एवं कंपनी

सेक्रेटरी रौनक राठी ने कहा कि एक सफल उद्यमी बनने के लिए बजटिंग, निवेश, टैक्स प्लानिंग, जोखिम प्रबंधन इत्यादि जैसे वित्तीय टर्म की सही जानकारी होना जरूरी है। वित्तीय साक्षरता से व्यवसाय में स्थिरता और सही लाभ मिलता है। वित्तीय समझ से हम नए उद्यम में गलत निर्णय लेने से बच सकेंगे। श्री राठी ने कहा कि उद्यम की शुरूआत में निवेश के सही विकल्पों को चुनना जरूरी है। नए उद्यामियों को इक्यूटी और ब्याज के अनुपात को समझकर आगे बढ़ना चाहिए ताकि उनके शुद्ध लाभ पर सकारात्मक प्रभाव पड़े। उन्होंने बताया कि हम किसी कंपनी का अंश खरीदकर उसके मालिकाना हक का फायदा ले सकते हैं। साथ ही कंपनी के महत्वपूर्ण निर्णय में भाग ले सकेंगे। रिटर्न ऑन इक्विटी, लांग टर्म ग्रोथ व ब्याज में पैसे लेने पर टैक्स में छूट मिलने की प्रक्रिया की जानकारी दी। उन्होंने युवाओं कम उम्र में निवेश करने के तरीके, म्युचुअल फंड, सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान इत्यादि के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ बाहरी वित्तीय ज्ञान को पाने का भी प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. रश्मि देवांगन ने की। संचालन शैली पटेल एवं आभार प्रदर्शन राहुल सिंह ने किया। आयोजन में नीलम किरण, अनिता कुर्रे, देवेंद्र यादव, विमलेश साहू सहित अन्य शामिल रहे।

छात्र-छात्राओं को मिला इंटीग्रेटेड फार्मिंग का प्रशिक्षण

जगदलपुर। शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल एवं पीएम उषा मेरू कम्पोनेंट के तहत सोमवार को वानिकी एवं वन्यजीव अध्ययनशाला द्वारा एक्सपोजर विजिट का आयोजन किया गया। इसमें विवि के

93 छात्र-छात्राएं प्री इन्क्यूबेशन यूनिट शहीद गुंडाधुर कृषि एवं अनुसंधान महाविद्यालय में आधुनिक कृषि तकनीकों और नवाचारों से अवगत हुए। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के डीन डॉ आरएस नेताम ने कृषि से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की। विभागाध्यक्ष प्रो शरद नेमा ने वर्तमान समय में नवाचार के महत्व पर अपने विचार रखे। तकनीकी सहायक उपेन्द्र नायक और राजेश पटेल ने मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, तीखुर की खेती, पाम की खेती और इंटीग्रेटेड फार्मिंग के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया। इससे विद्यार्थियों को इन विषयों की गहरी समझ विकसित करने में मदद मिली। तीन दिवसीय इंक्यूबेशन यूनिट के विजिट के प्रथम दिन डॉ विनोद कुमार सोनी, डॉ मनोज, डॉ दयानंद साय पैकरा, डॉ प्रीति दुबे, सेमंत बघेल, डॉ डिलेंद्र, डॉ नीरज, डॉ कृष्ण कुमार, प्रीति मरावी, रूचि तिवारी, भूमिका साहू, संजय पांडेय, अनुभा डे, प्रिंस जैन, खिलेंद्र ठाकुर एवं रसायन विज्ञान, सूक्ष्म जीवविज्ञान, गणित, भूविज्ञान, भौतिकी, जैव प्रौद्योगिकी और वानिकी एवं वन्यजीव के स्टूडेंट्स शामिल थे।

विद्यार्थियों ने रिसाइकलिंग के प्रोसेस को जाना

शमक विवि के विद्यार्थी नकटी सेमरा के एमआरसी सेंटर पहुंचे

नवभारत रिपोर्टर। जगदलपुर।

शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय व्यवसायिक प्रबंध अध्ययनशाला द्वारा सोमवार को नकटी सेमरा में स्थित मटेरियल रिसाइकलिंग सेंटर अर्थात एमआरसी का विजिट किया गया। करीब 50 प्रतिभागी विद्यार्थियों ने इस दौरान अपशिष्ट प्लास्टिक की रिसाइकलिंग की प्रक्रिया को देखा और समझा।

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत अपशिष्ट प्रबंधन के लिए कार्य कर रही इस इकाई की प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर पी विनीता राजू ने बताया कि इस केंद्र में बस्तर संभाग से प्रति दिन करीब तीन टन वेस्ट प्लास्टिक संग्रहित किए जा रहे हैं। जिससे करीब दो टन पुर्नउपयोग हेतु ग्रेन्युअल रूपी कच्चा माल तैयार हो रहा है। ये ग्रेनुअल फिर से प्लास्टिक के खिलौने, कुर्सी, डब्बे इत्यादि प्रोडक्ट बनाने में काम आ रहे हैं। ये ग्रेन्युअल का उपयोग रोड निर्माण में भी किया जा सकता है। अभी इस

विजिट का नेतृत्व कर रही विभागाध्यक्ष डॉ रश्मि देवांगन के कहा कि दुनिया में सबसे अधिक प्लास्टिक कचरा उत्पादन में भारत आगे हैं। हमें प्लास्टिक प्रयोग को कम करने के साथ इसके वेस्ट को रिसाइकिलिंग करने में सहयोग करना होगा। डॉ देवांगन ने बताया कि ऐसे विजिट से युवाओं को न केवल प्लास्टिक वेस्ट के रिसाईकलिंग प्रक्रिया को समझने का मौका मिलेगा बल्कि वे नए आईडिया के साथ इस क्षेत्र में उद्यमिता प्रारंभ करने को प्रेरित भी होंगे।

प्लास्टिक का कम से कम करें उपयोग

सेंटर में बने ग्रेनुअल्स को एक्सपोर्ट किया जा रहा है। इस दौरान विद्यार्थियों ने एफिलएंट ट्रीटमेंट प्लांट को भी देखा, जहां रिसाइकलिंग के दौरान निकले गंदे पानी को रियूजेबल बनाया जा रहा है। इन सारी प्रक्रिया में हिकॉन मशीन के माध्यम से कोई प्रदूषण भी नहीं हो रहा है। वेस्ट टू वेल्थ की अवधारण पर प्लास्टिक वेस्ट के क्षेत्र में नए रोजगार के अवसर खुलेंगे। विवि आईआईसी गतिविधि के तहत आयोजित इस विजिट में डॉ. तुलिका शर्मा, डॉ. दिलेश जोशी, डॉ. सुषमा सिंह, श्रद्धा डोंगरे, एलिस तिर्की, नीलिमा किरण, कोमल बेंजामिन, ऐश्वर्या साव एवं एमबीए, रूरल टेक्नालॉजी, एमएसडब्ल्यू, साइकोलॉजी अध्ययनशाला के स्टूडेंट्स शामिल हुए।

नवाचार : विवि के कंप्यूटर अध्ययनशाला में पोस्टर बनाओ स्पर्धा आयोजित

इनोवेटिव टेक्नालॉजी बताने के लिए छात्रों ने बनाए पोस्टर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जगदलपुर . इनोवेटिव आईडिया यूजिंग टेक्नालॉजी थीम पर मंगलवार को शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर अध्ययनशाला द्वारा पोस्टर मेकिंग कम्पीटिशन का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न अध्ययनशालाओं के स्टूडेंट्स के 10 ग्रुप ने इनोवेटिव टेक्नोलॉजी तैयार करने अपने क्रिएटिव आईडिया के साथ पोस्टर बनाए। पीजीडीसीए की छात्रा तिलेश्वरी नाग एवं साथी ने साईबर सेफ्टी साफ्टवेयर तैयार करने को लेकर पोस्टर बनाए। एमसीए स्टूडेंट रिषभ सिंह ठाकुर एवं साथी ने अपने पोस्टर में हेलमेट ऑन और राईड ऑन स्लोगन के साथ बाईक में इनबिल्ट करने करने संबंधी सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर टेक्नोलॉजी बनाने का आईडिया दिया। पीजीडीसीए स्टूडेंट प्रवेश कुमार व साथी ने प्रीसिजन फार्मिंग नाम से मिट्टी के लिए सेंसर बनाने का आईडिया दिया।

कम्प्यूटर अध्ययनशाला में स्पर्धा के दौरान पोस्टर का अवलोकन करते विभागाध्यक्ष।

जिसमें सेंसर पहले मिट्टी की नमी को चेक करेगा फिर पानी की जरूरत के अनुसार मोटर स्वत: चालू और बंद हो जाएगा। वहीं पीजीडीसीए के छात्र मोबिन के ग्रुप ने अपने पोस्टर में बायोटेक्नोलॉजी के उपकरण को बेहतर और आसान बनाने का आईडिया दिया। बताया कि इस आईडिया के साथ किसी भी मौसम में प्लांट ग्रो कर सकेगा। आयोजन में उपस्थित कम्प्यूटर अध्ययनशाला के विभागाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार सोनी ने कहा कि बेहतर लाईफ स्टाईल के लिए टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में इनोवेशन जरूरी है।

आप सभी स्टूडेंट्स को ह्यूमन वेलफेयर के लिए नवाचार करने आगे आना चाहिए। इस अवसर पर डॉ. रश्मि देवांगन ने विद्यार्थियों को इनोवेशन एवं स्टार्टअप संबंधी अपने विचार रखे। आईआइसी गतिविधि के तहत हुए इस स्पर्धा में डॉ तृप्तिका शर्मा, डॉ राकेश कुमार खरवार, डॉ प्रज्ञा गुप्ता, शैली पटेल, राहुल कुमार सिंह, कोमल बेंजामिन, विमलेश साहू, क्षमा साहू, निरंजन कुमार सहित अन्य अध्ययनशालाओं के स्टूडेंट्स उपस्थित थे।

समाजशास्त्र की ओर से व्याख्यान आयोजित

सस्टेनेबल इनोवेशन पर भी जोर देने की जरूरत

व्याख्यान के दौरान मौजूद विवि के प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी।

जगदलपुर @ पत्रिका . शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में मंगलवार को प्रोसेस ऑफ इनोवेशन एंड टीआरएल विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। रिसोर्स पर्सन के रूप में एनआईटी, रायपुर के सहायक कुलसचिव पवन कटारिया ने कहा कि समाज और मार्केट की समस्या को सॉल्व करने और व्यवस्था को आसान करने के लिए इनोवेशन आवश्यक है। हम कोई भी बड़े और कठिन काम को छोटे-छोटे इनोवेशन से आसान कर सकते हैं। हमें सस्टेनेबल इनोवेशन पर भी काम करना है। कटारिया ने बताया कि कोई भी नया प्रोडक्ट या सर्विस क्रिएट करना या उसका प्रोसेस सरल करना इनोवेशन कहलाता है। इसमें हम अपनी आईडिया को उपयोगिता के लक्ष्य तक ले जाते हैं। नए आईडिया सॉल्यूशन को क्रिएट करता है। इसमें हमारी कोशिश रहती है कि जो भी हम इनोवेशन कर रहे हैं उससे कुछ वैल्यु क्रिएट हो। कटारिया ने बताया कि आज हमारा देश इनोवेशन के क्षेत्र में तेजी से आगे ब? रहा है। दुनिया के देश हमसे डिजिटल पेमेंट जैसे इनोवेटिव आइडिया सीख रहे हैं। हम सभी को इनोवेशन के स्टेज को समझना होगा। इनोवेशन विकास का आधार है। इसे आत्मनिर्भर और विकसित भारत का बैकबोन भी कह सकते हैं। देश में इनोवेशन को महत्व देते हुए एक रोडमैप बने जिससे हम आत्मनिर्भर देश बनेगा।

मॉडल के जरिए ग्रामीण जीवन को आत्मनिर्भर बनाने के तरीके बताए

गुरुवार को कार्यक्रम के दौरान मौजूद विवि के प्राध्यापकगण व अन्य।

जगदलपुर @ पत्रिका . शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के शिक्षा (बीएड) अध्ययनशाला द्वारा आईआईसी क्वार्टर टू के अंतर्गत गुरुवार को डेमो एंड एक्जिविशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। बीएड चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने कई मॉडल की प्रदर्शनी लगाई और पीपीटी के माध्यम से उन्हें विश्लेषित किया। सभी मॉडलों में ग्रामीण जीवन को आत्मनिर्भर और स्वरोजारी बनाने के तरीके बताए गए। आयोजन में शिवानी और उनके साथी ने द पेस मेकर नाम से मॉडल बनाए। जिसमें होम सर्विस के नए तरीके बताए गए। सुनील ने इंटीग्रेटेड फार्मिंग सिस्टम नाम के मछली और मुर्गी पालन के साथ नींबू, पपीता और अमरूद की खेती का मॉडल बनाया। चितरंजन प्रधान की टीम ने मल्टीलेयर ऑर्गेनिक फार्मिंग के द्वारा एक एक? में पांच अलग-अलग तरह के फसलों के उत्पादन के मॉडल बनाए। जिसमें पूर्णरूपेण जैविक खाद उपयोग होगा। वहीं ढालेश्वर सिन्हा ने मल्टी क्राप फार्मिंग नाम के मॉडल में पपीता व अमरूद के साथ ड्रैगेन की खेती के नए तरीके बताए। इस अवसर पर आईआईसी के संयोजक डॉ. सजीवन कुमार ने कहा कि बस्तर संभाग में नए आईडिया के साथ स्टार्टअप और इनोवेशन की अपार संभावनाएं हैं। विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में नए व्यवसाय प्रारंभ करने संबंधी मार्गदर्शन, प्रेरणा और सहयोग के लिए विवि में आईआईसी की शुरूआत हुई है। इसके सहारे विद्यार्थी न केवल स्व रोजगार प्रारंभ कर सकेंगे बल्कि स्थानीय संसाधनों का इश्तेमाल कर व्यवसाय को बढ़ावा भी दे सकेंगे।

मार्केट रिसर्च एंड प्रोडक्ट मार्केट फिट विषय पर कार्यशाला

जगदलपुर, 27 फरवरी (देशबन्धु)। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के आईआईसी इकाई के अंतर्गत गुरूवार को मार्केट रिसर्च एंड प्रोडक्ट मार्केट फिट विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित इस आनलाईन लेक्चर में रिसोर्स पर्सन थे सहकार भारती छत्तीसगढ़ के प्रकोष्ठ संयोजक एवम बस्तर से बाज़ार तक कंपनी के संस्थापक सतेंद्र सिंह लिल्हारे थे। इस अवसर पर श्री लिल्हारे ने बताया कि किसी भी कार्य को प्रारंभ करते समय विभिन्न प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उसी तरह नवाचार प्रारंभ के समय भी वित्तीय, यातायात, कार्य योजना इत्यादि की दिक्कतें आती हैं पर उचित निर्णय लेने से इन समस्याओं का निराकरण आसानी किया जा सकता है। अध्ययन के साथ नवाचार के प्रश्न पर श्री लिल्हारे ने कहा कि अगर आप अपनी रुचि के कार्य क्षेत्र में आगे बढ़ते हैं तो सफलता जरूर मिलेगी। आप जो पढ़ रहे हैं उसके अलावा भी अन्य क्षेत्र में नवाचार के लिए कदम रख सकते हैं। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ रश्मि देवांगन ने भी अपने विचार रखते हुए मार्केट रिसर्च की पूरी प्रक्रिया के बारे में बताया। साथ ही प्रोडक्ट मार्केट फिट के महत्व के बारे में भी जानकारी साझा की। आयोजन में विवि आईआईसी के संयोजक डॉ. सजीवन कुमार, डॉ. तुलिका शर्मा, डॉ. नीरज वर्मा, डॉ. गुरप्रीत सिंह, कार्यक्रम समन्वयक सुश्री पूजा ठाकुर सहित अन्य उपस्थित थे।

नवाचार और स्टार्टअप के क्षेत्र में संभावनाओं को जानने-समझने, विद्यार्थियों ने देखा प्रिंटिंग प्रेस के कार्य

जगदलपुर, 27 फरवरी (देशबन्धु)। नवाचार और स्टार्टअप के क्षेत्र में संभावनाओं को जानने-समझने के लिए शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर के विद्यार्थियों ने गुरूवार को प्रिंटिंग प्रेस का विजिट किया। विद्यार्थियों ने इस दौरान न केवल रिपोर्टिंग, राईटिंग व एडिटिंग के प्रायोगिक प्रक्रिया को देखा बल्कि प्रिंटिंग प्रक्रिया के बटर पेपर, पेस्टिंग, प्लेट मेकिंग, क्लीनिंग, प्रिंटिंग, कटिंग, ब्लेंडिंग इत्यादि कार्य को भी लाइव देखा। स्टूडेंट्स ने अखबार में प्रयोग हो रहे स्यान, मैजेंटा, ब्लैक एवं ये लो कलर के कम्बीनेशन को जाना।

विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल इकाई के तहत यह एक्सपोजर विजिट मनोविज्ञान, लाईब्रेरी साइंस एवं पत्रकारिता एवं जनसंचार >> शेष पृष्ठ 9 पर>

आयोजन: शहीद महेंद्र कर्मा विवि के मनोविज्ञान अध्ययनशाला ने वर्कशॉप आयोजित किया

कोई भी स्टार्टअप शुरू करें उससे पहले मनोवैज्ञानिक रूप से मजबूत हो जाएं

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जगदलपुर . शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय मे मनोविज्ञान अध्ययनशाला द्वारा शुक्रवार को एचिविंग प्रॉब्लम सॉल्यूशन फिट एंड प्रोडक्ट मार्केट विषय पर ऑनलाईन वर्कशॉप का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता शासकीय दंतेश्वरी महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. दिनेश कुमार लहरी ने कहा कि कोई भी स्टार्टअप शुरू करते समय मनोवैज्ञानिक रूप से मजबूत रहना जरूरी है।

डॉ. लहरी ने कहा कि मार्केटिंग में निरंतर नवाचार होना जरूरी है। बाजार में नवीनता पसंद की जाती है। इसी कारण आज कंपनी समय-समय पर नए क्वालिटी के साथ प्रोडक्ट लाते रहती हैं। मोबाइल के नए मॉडल इसके उदाहरण के रूप में ले सकते हैं। स्टूडेंट्स यदि कोई स्टार्टअप करना चाहते हैं तो उसके इच्छा और रुचि का एक साइकोलॉजिकल टेस्ट होना चाहिए।

आई आई सी के अध्यक्ष डॉ सजीवन कुमार,आईईसी की संयोजिका डॉ. तुलिका शर्मा, डॉ रश्मि देवांगन , डॉ नीरज वर्मा एवम् आई आई सी के सभी सदस्य गण उपस्थित रहे।इस कार्यक्रम मे समन्वयक नीलम किरण, सह समन्वयक भारती भवानी व रंजिता पटेल उपस्थित रहे। मनोविज्ञान विभाग के छात्र-छात्राएं दिव्या ,ऋषिका ,चरणदीप ,गायत्री ,कौशल्या कुसुम एवं अन्य विभाग के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

वर्कशॉप के दौरान विवि के सभागार में मौजूद प्राध्यापकगण व विद्यार्थी।

आयोजन में यह रहे मौजूद

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय बस्तर जगदलपुर के कुलपति माननीय प्रोफेसर मनोज कुमार श्रीवास्तव द्वारा की गई, विशिष्ट अतिथि के रूप में कुलसचिव डॉ.राजेश लालवानी उपस्थित रहे। साथ ही विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो.शरद नेमा,इस कार्यक्रम के संयोजिका एवं कार्यक्रम विभागाध्यक्ष डॉ. सुकृता तिर्की के मार्गदर्शन में हुआ। बड़ी संख्या में विभाग के विद्यार्थी मौजूद थे।

लाभ-हानि के लिए रहना होगा तैयार

मार्केटिंग में मनोवैज्ञानिक स्तर पर सभी को फिट रहना आवश्यक है। लाभ-हानि की परिस्थितियों को सामना करने के लिए हमें तैयार रहना चाहिए। आपकी क्रिएटिविटी आपके मेंटल लेवल पर निर्भर करता है। डॉ. लहरी ने कहा कि मार्केट में कोई प्रोडक्ट लाते समय उसके संबंध में साइकोलॉजी को समझना जरूरी होता है। प्रोडक्ट के डिमांड के लिए उसके इमोशन फैक्टर पर ध्यान देना आवश्यक है। स्टार्टअप के कार्य में हमें शार्टकट और पूर्वाग्रह से बचना चाहिए। मार्केटिंग में आपका व्यवहार प्रॉब्लम सॉल्विंग होना चाहिए। साथ ही अपने प्रोडक्ट के प्रति आपकी सोच भी अच्छी हो।

व्याख्यान: प्रोडक्ट की ब्रॉन्ड बिल्डिंग सेल्स और मार्केटिंग में है महत्वपूर्ण

जगदलपुर | बस्तर विश्वविद्यालय में सेल्स एंड मार्केटिंग स्ट्रेटेजी फॉर एंटरप्रेन्योर्स विषय पर लेक्चर हुआ। इसमें रिसोर्स पर्सन के रूप में रोबोनाइट की सीईओ रीना सिन्हा और कला एवं शिल्प टीचर बीना सोमानी ने अपने विचार रखे।

इस अवसर पर रिसोर्स पर्सन ने कहा कि आज के काम्पटीटिव मार्केट में हमें अपने प्रोडक्ट के ब्रांड बिल्डिंग पर भी विशेष ध्यान देना होता है। ब्रॉन्ड प्रोडक्ट की आईडेंटिटी क्रिएट होती है। ब्रॉन्ड का लोगों कंज्यूमर से स्वतः इंटरेक्ट करती है। ब्रॉन्ड की विश्वसनीयता से उपभोक्ताओं का उससे स्थायी जुड़ाव हो जाता है। उन्होंने बताया कि मार्केटिंग का लक्ष्य ग्राहकों की जरूरत को पूरा करते हुए बिक्री बढ़ाना होता है। मार्केटिंग में प्रोडक्ट और सर्विस को कस्टमर तक पहुंचाने के साथ-साथ उनसे कम्युनिकेशन पर भी ध्यान देना होता है। रिसोर्स पर्सन ने अपने उद्बोधन में मार्केटिंग के साथ कंज्यूमर विहैवियर, मार्केट रिसर्च, टार्गेट ऑडिएंस, यूएसपी जैसे टर्म की भी जानकारी दी।

अध्ययनशाला द्वारा आयोजित इस लेक्चर में शामिल लोग।

उन्होंने बताया कि प्रतिस्पर्धी बाजार में उद्यमी अपनी पहचान कैसे स्थापित कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, कार्यशाला में एक फ्लैश गतिविधि आयोजित की गई, जिसमें छात्रों को अपने व्यावसायिक विचार प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया गया। प्रतिभागियों को अपनी रचनात्मकता सोच को अभिव्यक्त करने का अवसर प्रदान किया।

टेक्नालॉजी के व्यवसायीकरण पर लेक्चर आयोजित

जगदलपुर (चैनल इंडिया)। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में मंगलवार को दूसरे सत्र में कॉमर्शियलाइजेशन ऑफ टेक्नोलॉजी एंड टेक ट्रांसफर विषय पर एकदिवसीय लेक्चर का आयोजन किया गया। विवि इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल इकाई के निर्देशानुसार राजनीति विज्ञान अध्ययनशाला द्वारा आयोजित इस लेक्चर में एनआईटी, रायपुर के सहायक कुलसचिव पवन कटारिया ने विषय को लेकर विस्तृत जानकारी दी।

श्री कटारिया ने कहा कि आज समय टेक्नोलॉजी का है। इसके बेहतर और समजपयोगी प्रयोग पर ध्यान देना चाहिए। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. भुनेश्वर लाल साहू, समन्वयक देवेंद्र कुमार यादव व सह समन्वयक डॉ. पूर्णिमा चटर्जी उपस्थित थे। ऑनलाइन मोड पर विभिन्न कॉलेजों के शिक्षक और विद्यार्थी भी लेक्चर से लाभान्वित हुए।

नए उद्यमियों के लीडरशिप से तेजी से बदल रहे हैं कारोबारी परिदृश्य

इतिहास अध्ययनशाला द्वारा व्याख्यान आयोजित

जगदलपुर (चैनल इंडिया)। स्टार्टअप और इनोवेशन के क्षेत्र में नेतृत्व(लीडरशिप) सबसे महत्वपूर्ण होता है। नए उद्यम की सफलता लीडरशिप की क्वालिटी और एबिलिटी पर निर्भर करते हैं। दूरदर्शी नेतृत्व (विजनरी लीडरशिप) किसी व्यवसाय को स्थायी सफलता और विस्तार की ओर अग्रसर करता है। आज नए उद्यमों की बेहतर लीडरशिप ने देश के कारोबारी परिदृश्य को बदल दिया है। इंटरप्रयोनरशिप में हमारे देश के युवा बहुत बेहतर कर रहे हैं।

उक्त विचार माइथो क्वांटम एक्सप्लोरर्स के डायरेक्ट आशीष झा ने व्यक्त किए। वे गुरूवार को शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में इंटरप्रयोनशिप लीडरशिपः फ्रॉम विजन टू एक्जीक्यूशन विषय पर इतिहास अध्ययनशाला द्वारा आयोजित ऑनलाइन लेक्चर को संबोधित कर रहे थे। श्री आशीष ने आगे कहा कि एक विजन के साथ लीडर अपने उद्यम को मिशन तक ले जाता है। लीडर को इनोवेशन, स्ट्रेटेजिक मार्केट अप्रोच, इंटेलिजेंट सॉफ्टवेयर एंड डेटा सॉल्यूशंस पर ध्यान देना होता है। श्री झा ने अपने उद्बोधन में लीडरशिप ग्रोथ, टीम वैल्यू, एंटरप्रेन्योरियल माइंडसेट को विकसित करने की भी बात कही।

विश्वविद्यालय के संस्थान नवाचार परिषद (इंस्टीट्यूशन्स इनोवेशन काउंसिल) के अंतर्गत हुए इस आयोजन में प्रोग्राम कोर्डिनेटर डॉ. भुनेश्वर लाल साहू, सह समन्वयक डॉ. विष्णु प्रताप सिंह, डॉ. भेनु डॉ. मान्या सोनी, डॉ. गुरप्रीत सिंह सौंध, डॉ. पूर्णिमा चटर्जी एवं टेक्नीकल एसोसिएट विमलेश साहू सहित अन्य उपस्थित थे।

नवाचार

बस्तर विवि के भूगोल अध्ययनशाला ने शैक्षणिक भ्रमण किया

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा देगा काजू प्लांटेशन में स्टार्टअप

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जगदलपुर . स्टार्टअप और नवाचार के माध्यम से कृषि और खाद्य प्रसंस्करणों में सुधार के तरीके जानने के लिए शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के भूगोल अध्ययनशाला के विद्यार्थियों ने शुक्रवार को कुडुक्नार में फार्म हाऊस का भ्रमण किया। आईआईसी के क्वार्टर 3 के अंतर्गत आयोजित इस भ्रमण में एमए और बीए प्रथम के स्टूडेंट्स शामिल हुए। इस मौके पर प्रोफेसर वीके श्रीवास्तव ने काजू उत्पादन की विस्तृत व्यवहारिक जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि काजू प्लांटेशन में इनोवेशन एवं स्टार्टअप की नई दिशा खुल रही है। इस क्षेत्र में किसानों के लिए नवाचार और उद्यमिता के कई अवसर हैं। काजू से किसान अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं। इनोवेशन और स्टार्टअप कार्य के रूप में इसके लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का निर्माण, काजू किसानों के लिए वित्तीय सेवाओं का प्रारंभ, उत्पादकता में वृद्धि, नए बाजारों का निर्माण और रोजगार के अवसर शुरू करने के प्रयास शामिल हैं। प्रो. श्रीवास्तव ने कहा कि इस क्षेत्र में इनोवेशन एवं स्टार्टअप में आवश्यक संसाधनों की कमी और काजू किसानों के लिए प्रशिक्षण का अभाव जैसी कई चुनौतियां भी हैं। कार्यक्रम संयोजक डॉ सजीवन कुमार के निर्देशानुसार आयोजित इस भ्रमण कार्यक्रम में समन्वयक डॉ. राकेश कुमार खरवार, सह समन्वयक गौरी

जगदलपुर . शैक्षणिक भ्रमण के दौरान मौजूद विश्वविद्यालय के विद्यार्थी।